ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-7 No. 1 July 2020

छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले गृह पर्यावरणीय कारक का अध्ययन

सारिका कुमारी
शोध विद्यार्थी, पटना विश्वविद्यालय
ईमेल: sarika.irca@gmail.com

सारांश

विभिन्न शैक्षणिक शोध से पता चलता है की , गृह पर्यावरणीय कारक छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं। इसके लिए मेरे द्वारा अनुसंधान एक डिजाइन को अपनाया गया है, जिसमें तीन शोध योग्यता और उद्देश्य अध्ययन से मार्गदर्शन प्राप्त किया गया है। डेटा को संरचित प्रश्नावली के उपयोग द्वारा एकत्र और विश्लेषण किया गया है। जूनियर और सीनियर सेकेंडरी स्कूल और उनके माता-पिता दोनों के 100 उत्तरदाताओं का एक नमूना अध्ययन क्षेत्र में सरल यादृच्छिक नमूनाकरण तकनीक के माध्यम से तैयार किया गया है। आवृत्ति और प्रतिशत जहां एकत्र किए गए डेटा का विश्लेषण करने के लिए उपयोग किया गया है। अध्ययन की खोज से पता चला कि माता-पिता द्वारा शिक्षा के प्रति आकस्मिक दृष्टिकोण, माता-पिता का व्यवहार और परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति आदि छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं। यह पता लगाने के आधार पर कि माता-पिता को अपने संतान को गुणवत्तापूर्ण समय देना चाहिए और उनके साथ बैठकर अपने शिक्षक और सहकर्मी समूह के साथ उनके शैक्षणिक प्रदर्शन पर चर्चा करनी चाहिए ताकि शैक्षणिक बिगड़ने की समस्या से बचा जा सके और उनका सही तरीके से सामना किया जा सके।

शब्द कुंजी

घर का वातावरण, शैक्षणिक प्रदर्शन, कारक

प्रस्तावना

एक घर एक ऐसा स्थान है जिसे स्थायी या अर्ध-स्थायी निवास के रूप में उपयोग किया जाता है। यह मात्र क्षणिक आश्रय नहीं है। इसका सार उन लोगों के व्यक्तित्व में निहित है जो इसमें रहते हैं। घर का वातावरण वह आस-पास होता है, जहाँ एक का अर्थ होता है, वह वातावरण जो आंतरिक या बाहरी परिस्थितियों को प्रभावित करता है जिससे उनके जीवन में उनके प्रदर्शन का अस्तित्व प्रभावित होता है। पर्यावरण को भौतिक, सामाजिक और अमूर्त वातावरण में विभाजित किया गया है। भौतिक वातावरण का मतलब उस वस्तु से है जो होम स्कूल या समुदाय में पाई जाती है। इसमें माता-पिता, सहोदर और सहकर्मी जैसे लोग भी शामिल हैं। सामाजिक वातावरण सामाजिक जीवन है, समाज जो जीव को प्रभावित करते हैं। अमूर्त वातावरण अन्य लोगों के साथ बातचीत पर प्राप्त प्रतिक्रिया प्रतिक्रिया प्रतिक्रिया है। पर्यावरण जीवों के अस्तित्व, विकास और कल्याण को प्रभावित करने वाली सभी आंतरिक और बाह्य परिस्थितियों का समुच्चय है। यह जीन के प्लाज्मा के माध्यम से वंशानुगत होने के बाद एक व्यक्ति के संपर्क में आया एक प्रभाव है। छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले घरेलू पर्यावरणीय कारक। इसलिए, विश्लेषण के लिए विचार किए जाने वाले चर माता की जवाबदेही, उपलब्धता और उपयुक्त शिक्षा, सामग्री, माता-पिता, भाई-बहन, सहकर्मी और सामाजिक जीवन हैं जो उस घर में मौजूद हैं जिसमें छात्र खुद/स्वयं को पाते हैं । घर के सभी चर जो किसी व्यक्ति के अस्तित्व, व्यवहार और प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं, घर के पर्यावरणीय कारकों का गठन करते हैं। इस अध्ययन का लक्ष्य छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले घरेलू पर्यावरणीय कारकों पर है। छात्र के घर का वातावरण या तो छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन में तेजी ला सकता है या बाधा डाल सकता है।

साहित्य की समीक्षा

1. **जी. बोसर्ट, एस डौमेन, ई. बुगसे और के. वीर्सचुएरेंक (2011)**
   शैक्षणिक प्रदर्शन शिक्षा का परिणाम है; यह एक हद तक है कि छात्र, शिक्षक या संस्थान ने शैक्षिक लक्ष्यों को प्राप्त किया है। शैक्षणिक उपलब्धि को आमतौर पर परीक्षा या निरंतर मूल्यांकन द्वारा मापा

Copyright © 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-7 No. 1 July 2020

जाता है; हालांकि, इस बात पर एक सामान्य सहमति है कि यह सबसे अच्छा परीक्षण कैसे किया जाता है।

2. **चुकुड़ी ओ. सी. (2013)**

स्कूल की उपलब्धि का परीक्षण करने का तरीका शैक्षणिक प्रदर्शन सूचकांक द्वारा मापा जाता है। शैक्षिक प्रदर्शन के अंतर को बुद्धिमत्ता और व्यक्तित्व के अंतर से जोड़ा गया है। आईक्यू टेस्ट (त्वरित शिक्षार्थी) द्वारा प्रदर्शित उच्चतर मानसिक क्षमताओं वाले छात्र और जो कर्तव्यनिष्ठा (प्रयास और उपलब्धि प्रेरणा से जुड़े) में उच्चतर हैं, वे शैक्षणिक सेटिंग्स में बहुत अधिक हासिल करते हैं। प्रारंभिक शैक्षणिक उपलब्धि बाद में शैक्षणिक उपलब्धि को बढ़ाती है। हालाँकि, कई कारक इसमें योगदान करते हैं। यह भी पता चला है कि कुछ कारक शिक्षा के किसी भी स्तर पर छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित या प्रभावित कर सकते हैं। स्कूल पर्यावरण, पाठ्यक्रम योजना और कार्यान्वयन, भाई-बहन / सहकर्मी समूह प्रभाव, गृह पर्यावरण जैसे माता-पिता, घर में समाजीकरण पैटर्न, घर का स्थान, घर पर आधुनिक गैजेट्स आदि से निकलने वाले कारक। शिक्षित माता-पिता हमेशा इस बात पर विश्वास करेंगे कि अपने या अपने होमवर्क के साथ एक बच्चे की मदद करना और बच्चे द्वारा किए गए स्कूल के काम को संशोधित करना महत्वपूर्ण है, लेकिन यह विपरीत है यदि बच्चा एक गरीब घर के माहौल से काफी हद तक वह है या वह है अवसरों से वंचित और वह और वह शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया के साथ संघर्ष करते हैं।

3. **नानेली (नेनाले, 1997)**

एक सकारात्मक घर सीखने का वातावरण सामाजिक संपर्क, ध्यान और गतिविधियों को प्रदान करता है जो सीखने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण के विकास को बढ़ावा देता है, साथ ही साथ शारीरिक, बौद्धिक, भाषा, सामाजिक और भावनात्मक कौशल का अधिग्रहण। वह राशि जो माता-पिता बच्चों और छोटे बच्चों से बात करते हैं और जिस तरह से वे बात करते हैं उससे बच्चों की भाषाई और बौद्धिक क्षमता पर सीधा सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। 3 से 10 वर्ष की आयु में माता-पिता साक्षरता और संज्ञानात्मक विकास के लिए बिल्डिंग ब्लॉक प्रदान कर सकते हैं; सामान्य दैनिक जीवन के दौरान अधिक से अधिक चैट करना, आलोचना करने के बजाय व्यापक शब्दावली का उपयोग करना, बच्चों से चीजों के बारे में बात करना, उच्च सूचना सामग्री के साथ भाषा का उपयोग करना, बच्चों को केवल निर्देश देने के बजाय, बच्चों को जो कहना है उसे सुनना और जवाब देना। अनुसंधान ने स्थापित किया है कि माता-पिता की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि, शिक्षा और आय सहित, बच्चों के परिणामों पर पर्याप्त प्रभाव डालती है। पर्याप्त साक्ष्य भी बचपन से लेकर किशोरावस्था तक बच्चों के विकास पर माता-पिता के व्यवहार के प्रभाव का दस्तावेजीकरण करते हैं।

अध्ययन के उद्देश्य

अध्ययन का मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित है:

1. पटना में छात्रों के वर्तमान शैक्षणिक प्रदर्शन की पहचान करना है।
2. शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित / प्रभावित करने वाले घरेलू पर्यावरणीय कारक
3. बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन प्राप्त करने का सुझाव।

शोध प्रविधि

अध्ययन का डिजाइन सर्वेक्षण और अध्ययन क्षेत्र पटना लिया गया है । इस अध्ययन के लिए जनसंख्या 100 ली गई है। सरल यादृच्छिक नमूना विधि में जूनियर सेकेंडरी स्कूल से 50 और सीनियर सेकेंडरी स्कूल से 50 नमूना लिया गया ,और कुल नमूना का आकार 100 बनाया गया । डेटा संग्रह की विधि ,संरचित प्रश्नावली की 50 प्रतियां मुद्रित की गईं और डोर टू डोर सर्वे डेटा पूरी तरह से भरे प्रश्नावली के रूप में एकत्र किए गए थे। एक गूगल फॉर्म के मदद से प्रश्नावली बनाया गया और 50 उत्तरदाताओं को ईमेल में भेजा गया। प्राप्त सभी डेटा को समेट/मिला कर उनका विश्लेषण किया गया।

डेटा विश्लेषण तकनीक

Copyright ⓒ 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-7 No. 1 July 2020

उत्तरदाताओं से एकत्रित डेटा का विश्लेषण आवृत्ति तालिका, प्रतिशत और माध्य का उपयोग करके किया गया। चार-बिंदु पैमाने के आधार पर दृढ़ता से सहमत (SA) = 4, सहमत (A) = 3, असहमत (D) = 2, सशक्त रूप से असहमत (SD) = 1, 2.50 के औसत न्यूनतम स्वीकार्य औसत स्कोर के रूप में लिया गया था जिसे स्वीकार किए जाने से पहले कोई आइटम स्कोर करेगा। 2.50 से नीचे के किसी भी माध्यम को अस्वीकार कर दिया जाएगा जबकि 2.50 से ऊपर का मतलब स्वीकार किया जाएगा।

परिणाम और परिचर्चा

तालिका 1

क्र.सं.	वर्तमान शैक्षिक प्रदर्शन	मीन (X)	रिमार्क्स (A)
1	बुनियादी और वैचारिक गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान सवालों के जवाब देने में सक्षम।	3.90	A
2	मूल मातृभाषा (हिंदी) और अंग्रेजी साहित्य और व्याकरण के सवालों का जवाब देने में सक्षम	2.90	A
3	वर्तमान और पिछली श्रेणी के रिपोर्ट कार्ड का परिणाम	3.40	A

उपरोक्त तालिका के लिए, उत्तरदाताओं ने अपने संतान की वार्षिक परिणाम शैक्षनिक प्रमाण पत्र दिखाया और प्रश्नों का जवाब दिया जिसे तदनुसार दर्शाया गया। छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन के रूप में उनके माध्य स्कोर से पता चलता है जो आइटम नंबर के साथ 2.50 के स्वीकार्य औसत स्कोर से ऊपर और जयादा थे। क्र.सं 1 , में 3.90 का उच्चतम स्कोर है।

तालिका 2

छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले गृह पर्यावरणीय कारकों पर प्रतिसाददाताओं की प्रतिक्रिया।

क्र.सं.	वर्तमान शैक्षिक प्रदर्शन	मीन (X)	रिमार्क्स (A)
1	अच्छे स्कूल में छात्र का देर से नामांकन।	3.10	A
2	स्कूल से लौटने पर छात्रों की शैक्षणिक कार्य के लिए पर्याप्त शिक्षा सामग्री / पर्यवेक्षण का गैर प्रावधान।	3.60	A
3	गरीब माता-पिता / छात्रों के घर में संबंध।	3.50	A
4	छात्र की शिक्षा के प्रति माता-पिता का एक गैर-उदासीन रवैया।	3.50	A
5	सामाजिक-आर्थिक स्थिति का छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर प्रभाव पड़ता है।	3.20	A
6	परिवार की आर्थिक स्थिति और बच्चे के स्कूल का प्रकार।	2.90	A
7	छात्रों को आवश्यक स्कूल सामग्री के प्रावधान की पर्याप्तता छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करती है।	3.30	A
8	परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति स्कूल में एक बच्चे के आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास को प्रभावित करती है।	2.70	A
9	छात्र की पारिवारिक संरचना छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकती है।	3.50	A
10	टूटे हुए घर एक छात्र शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं।	3.50	A
11	घरेलू आकार एक छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है।	3.50	A
12	अभिभावकों के बीच असहमति छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकती है।	3.10	A

Copyright © 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-7 No. 1 July 2020

X = मीन रिस्पोंडेंट्स की प्रतिक्रिया, A = स्वीकार्य माध्य स्कोर। उपरोक्त तालिका में, उत्तरदाताओं ने सहमति व्यक्त की कि उपरोक्त सभी 12 क्र.सं के पर्यावरणीय कारक छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं, जैसा कि उनके औसत अंकों से पता चलता है, जो आइटम नंबर के साथ 2.50 के स्वीकार्य औसत स्कोर से ऊपर और ऊपर थे। 2 में 3.60 का उच्चतम स्कोर है।

तालिका 3

क्र.सं.	वर्तमान शैक्षिक प्रदर्शन	मीन (X)	रिमार्क्स (A)
1	छात्र की शैक्षिक आवश्यकताओं, अध्यापन, और माता-पिता द्वारा घर पर काम करने वाले छात्रों की देखरेख का पर्याप्त प्रावधान छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ा सकता है।	3.40	A
2	शिक्षित और उच्च आय वाले माता-पिता माता-पिता को छात्र की शैक्षिक आवश्यकताएं प्रदान कर सकते हैं।	2.80	A
3	छात्र के शैक्षणिक कार्य / गतिविधियों के प्रति पारिवारिक आकार और माता-पिता का दृष्टिकोण (रुचि) छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ाता है।	3.10	A
4	एक छात्र के माता-पिता के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध का अस्तित्व छात्र को कठिन अध्ययन करने के लिए प्रेरित करता है।	2.70	A
5	माता-पिता द्वारा एक अच्छे स्कूल में छात्रों का प्रारंभिक नामांकन उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ा सकता है।	3.10	A
6	छात्र के परिवार में सौहार्दपूर्ण संबंध, जैसे एकता, प्रेम और देखभाल की मौजूदगी छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ा सकती है।	3.50	A
7	छात्र के माता-पिता का शैक्षणिक स्तर और शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण छात्र के शिक्षाविदों के प्रदर्शन को बढ़ा सकता है।	3.40	A
8	घर पर आधुनिक गैजेट्स का प्रावधान और घर में अच्छा संचार नेटवर्क छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ाता है।	3.60	A

उपरोक्त तालिका में, पहचाने गए सभी घरेलू पर्यावरणीय कारक छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ा सकते हैं। यह उनके मतलब स्कोर द्वारा स्पष्ट रूप से दिखाया गया है जो स्वीकार्य साधनों के स्कोर से ऊपर थे। हालांकि, छात्र की शैक्षिक सामग्री के पर्याप्त प्रावधान, उनके माता-पिता द्वारा घर पर उनके काम की देखरेख छात्रों को कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है और यह उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ाता है।

निष्कर्ष

जैसा कि पहले बताया गया था, अच्छी शिक्षा संयोग से नहीं होती है। उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए एक बच्चे को अन्य कारकों के अलावा एक अच्छे घर के वातावरण की आवश्यकता होती है। बच्चे सीखने की उनकी क्षमता और दृष्टिकोण में भिन्न होते हैं; इसलिए माता-पिता को इसे पहचानना चाहिए और एक व्यक्ति के रूप में अपने बच्चों के लिए उपस्थित होना चाहिए। बच्चों के सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन को बाहर लाने के लिए प्यार, कड़ी मेहनत और उत्कृष्टता को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। अतः उपर्युक्त तालिका के आधार पर हम यह निष्कर्ष निकाल सकतें है कि :

1. अपने बच्चे की शिक्षा और एक अच्छे स्कूल में छात्र के देर से नामांकन के प्रति कुछ माता-पिता का गैर-उदासीन रवैया छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करता है।
2. माता-पिता द्वारा स्कूल से लौटने पर छात्रों के शैक्षणिक कार्य के लिए पर्याप्त शिक्षा सामग्री / पर्यवेक्षण का प्रावधान नहीं होना छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करता है।
3. घर में माता-पिता / छात्रों का रिश्ता, छात्रों के प्रदर्शन को प्रभावित करतें हैं ,अतः अच्छे होने चाहिए।
4. छात्र के परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन पर प्रभाव पड़ता है।
5. परिवार का आय स्तर निर्धारित करता है कि बच्चा किस स्कूल में जाता है।

Copyright © 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-7 No. 1 July 2020

6. छात्रों को आवश्यक स्कूल सामग्री के प्रावधान की पर्याप्तता का छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ता है।
7. परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति स्कूल में एक बच्चे के आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास को प्रभावित करती है।
8. छात्र के पारिवारिक ढांचे छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित / प्रभावित कर सकते हैं।
9. एक टूटे हुए घर एक छात्र शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं।
10. किसी छात्र का घरेलू आकार उसके शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित या प्रभावित कर सकता है।
11. माता-पिता, बच्चों और भाई-बहनों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध का अस्तित्व एक छात्र शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ा सकता है।

सूझाव

अध्ययन के निष्कर्षों के परिणाम के आधार पर, निम्नलिखित सूझाव दी जा सकती हैं:
1. माता-पिता को अपने बच्चों / वार्डों को आवश्यक सामग्री प्रदान करनी चाहिए जो उन्हें उनके शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार करने में मदद करेगी।
2. स्कूलों को अपने विद्यार्थी को अपने घरों में सीखने के माहौल बनाने के साथ-साथ पर्याप्त शिक्षण सामग्री प्रदान करने के महत्व पर माता-पिता से चर्चा / शिक्षित करना चाहिए।
3. पटना में बिहार सरकार, अनपढ़ माता-पिता के प्रशिक्षण के लिए अधिक वयस्क शिक्षा केंद्रों की स्थापना और लैस करना चाहिए; ताकि वे अपने बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ाने में आवश्यक भूमिकाएं जान सकें।
4. माता-पिता को अपने बच्चों की शैक्षिक प्रगति के साथ उन्हें अपडेट करने के लिए समय-समय पर अपने बच्चों के शिक्षकों के साथ संपर्क करने का समय निकालना चाहिए। इससे छात्रों की शैक्षणिक समस्याओं की पहचान करने में मदद मिलेगी ताकि छात्रों को प्रभावित करने से पहले इसे तुरंत संभाल सकें।
5. साक्षर माता-पिता / व्यस्त माता-पिता को अपने बच्चों के साथ रहने और उनकी शैक्षणिक प्रगति की जांच करने के लिए अपने तंग शेड्यूल में से समय निकालना चाहिए।
6. माता-पिता को अपने बच्चों की शैक्षिक प्रगति के साथ उन्हें अपडेट करने के लिए समय-समय पर अपने बच्चों के शिक्षकों के साथ संपर्क करने का समय निकालना चाहिए। इससे छात्रों की शैक्षणिक समस्याओं की पहचान करने में मदद मिलेगी ताकि छात्रों को प्रभावित करने से पहले इसे तुरंत संभाल सकें।

सन्दर्भ सूची

1. अबिया राज्य सांख्यिकीय वर्ष पुस्तक (2012) । कार्यकारी राज्यपाल अबिया राज्य योजना आयोग, उमुआहिया का कार्यालय।
2 . बोसर्ट जी।, डौमेन एस।, बुग्से ई।, वर्चुचेरेन के। (2011)। पहली कक्षा के लिए संक्रमण के बाद छात्र की शैक्षणिक उपलब्धि की भविष्यवाणी: एक दो साल का अनुदैर्ध्य अध्ययन, एप्लाइड डेवलपमेंट मनोविज्ञान की पत्रिका, वॉल्यूम। 32, पीपी.47-57।
3. चुकुड़ी ओ. सी. (2013)। माध्यमिक विद्यालय के छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन- गृह पर्यावरण का प्रभाव। डबल जिस्ट पब्लिशर्स।
4. नानाले सी। (1997)। यंग लिर्विंग (सातवां संस्करण)। मैकग्रा हिल। न्यूयॉर्क।

Copyright © 2020 Authors